# सूरेह लहब

**बिस्मिल्ला-हिर्रहमा-निर्रहीम**

शुरू करता हूं अल्लाह के नाम से जो निहायत रेहम करने वाला है।

**1. तब्बत यदा अबी लहबिव वतब्ब**

अबू लहब के दोनों हाथ टूट गए और वो हलाक हो गया।

**2. मा अगना अन्हु मलुहू वमा कसब**

न तो उस माल उस के काम आया और न उस की कमाई।

**3. सयसला नारन ज़ात लहब**

अब वो जहन्नम की बड़की आग में जायेगा।

**4. वम रअतुहू हम्मा लतल हतब**

और उस की बीवी भी जाएगी जो सर पर लकड़ियां लाद कर आती थी।

**5. फिजीदिहा हब्लुम मिम मसद**

उस गर्दन में एक ख़ूब की बटी हुई रस्सी होगी।